

## MASTER OF ARTS (EDUCATION)

### Term-End Examination

#### MES-113 : LEARNER SUPPORT SERVICES

*Time : 3 Hours]*

*[Maximum Weightage : 70%*

---

**Note:** All the four questions are compulsory. All questions carry equal weightage.

---

1. Answer the following question in about 600 words:  
Explain the significance of study skills for learning by distance learners.

Or

Discuss different performance indicators useful for quality assurance in open and distance education.

2. Answer the following questions in about 600 words:  
Define counselling. Explain its significance in distance education.

Or



What are the tasks of a distance teacher? What are the difficulties involved in executing these tasks?

3. Answer any four of the following in about 150 words each:

(a) State the characteristics of distance learners.

(b) Differentiate between academic counselling and non-academic counselling.

(c) Write the qualities of an academic counsellor.

(d) Describe different stages involved in reading process.

(e) Discuss the use of internet as a medium of counselling.

(f) Discuss the problem of learner motivation in distance education.

4. Answer the following question in about 600 words:

“Institutional context determines the nature of learner support services in distance education.”

Justify the statement.

एम.ए. (शिक्षा)

सत्रांत परीक्षा

एम.ई.एस.-113 : शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए:  
दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए अधिगम हेतु अध्ययन-कौशलों के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

अथवा

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता निर्धारण के लिए उपयोगी विभिन्न निष्ठापादन-सूचकों (परफारमेंस इंडीकेटर्स) की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए:  
परामर्शसेवा (काउन्सेलिंग) की परिभाषा दीजिए। दूरस्थ शिक्षा में इसके महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

अथवा

दूरस्थ शिक्षक के क्या कार्य हैं? इन कार्यों के सम्पादन में निहित कठिनाइयाँ कौन-सी हैं?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
- (a) दूरस्थ शिक्षार्थियों की विशेषताएँ बताइये।
  - (b) शैक्षणिक परामर्श सेवा और गैर-शैक्षणिक परामर्श सेवा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
  - (c) शैक्षणिक परामर्शदाता के गुण लिखिए।
  - (d) पठन-प्रक्रिया में निहित विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।
  - (e) परामर्श सेवा के माध्यम के रूप में इंटरनेट के प्रयोग की चर्चा कीजिए।
  - (f) दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी-अभिप्रेरणा (लर्नर-मोटीवेशन) की समस्या की चर्चा कीजिए।
4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए:  
“दूरस्थ शिक्षा में सांस्थानिक सन्दर्भ (इंस्टीट्यूशनल कान्टेक्स्ट) शिक्षार्थी सहायता सेवाओं की प्रकृति को निर्धारित करता है।”  
इस कथन को न्यायसंगत सिद्ध कीजिए।

—x—